सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण

दिनांक– 23.06.2017 से 24.06.2017

जिला– पीलीभीत (उ0प्र0)

समूह सदस्य–

1. डा0 राजेश झा, महाप्रबंधक, एन0एच0एम0
2. श्री गौरव सहगल, परामर्शदाता
3. श्री आदेश शर्मा, कार्यक्रम समन्वयक(मुख्यालय)

दिनांक– 23.06.2017

सी0एच0सी0–बीसलपुर

अवलोकित बिन्दु

- सी0एच0सी0 पर अधिक्षक के अतिरिक्त चार चिकित्साधिकारी तैनात है। जिसमें एक विशेषज्ञ तथा दो आयुष चिकित्साधिकारी है।
- सी0एच0सी0 पर चार संविदा नर्सें तैनात है।
- सी0एच0सी0 पर कोई लैब टेक्निशियन नहीं है।
- ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक दिनांक 17.06.2017 से अनुपस्थित है।
- टायलेट की स्थिति असंसोषजनक है।
- इस माह में 7 एक्सरे हुये है। एक्सरे प्लेट नहीं है।
- कोल्ड चैन में 5 डीप फ्रिजर तथा 2 आई0एल0आर0 है।
- आज कुल 20 ए0एन0एम0 में से 19 ए0एन0एम0 ने वैक्सीन ली है।
- कुल 132 डॉट सेन्टर संचालित है तथा अधिकतर आशा के द्वारा संचालित है।
- कुल 8 एम0डी0आर0के0 केस है।
- टयूबर किलोसिस यूनिट में 138 स्पूटम में 19 पॉजिटिव पाये गये है।
- ब्लड स्टोरेज यूनिट रेफ्रिजरेटर खराब होने के कारण संचालित नहीं है।
- लैपरोसी में 16 पी0वी0 तथा 14 एम0वी0 केस पाये गये है।
- पैरासीटामॉल की स्पलाई सुचारू नहीं है।
- जे0एस0वाई0 के कुल 496 में से 45 केस पेन्डिंग है।
- आर0बी0एस0के0 के 2 वाहन कार्यरत है।
- आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा आज ग्राम अर्मताखास के आंगनवाड़ी केन्द्र पर 153 बच्चों को चेक किया गया।
- 102 एम्बूलेन्स 3 तथा 108 दो संचालित है। एक 102 एम्बूलेन्स आफ लाइन है।

पी0एच0सी0–ललोरी खेड़ा

अवलोकित बिन्दु

महाप्रबंधक, कम्यूनिटी प्रोसेस द्वारा मेगा कॉल सेन्टर के अंतर्गत इस क्षेत्र की 5 ए0एन0एम0, 5 आंगनवाड़ी तथा 5 आशाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, चिकित्साधिकारी, डी0सी0पी0एम0, यूनीसेफ प्रतिनिधि आदि के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

समीक्षा बैठक, मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, पीलीभीत

अवलोकित बिन्दु

बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, जिला क्षय रोग अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, डी0सी0पी0एम0, टी0एस0यू0 प्रतिनिधि, समस्त इन्चार्ज चिकित्साधिकारी, समस्त बी0पी0एम0, समस्त बी0सी0पी0एम0, समस्त एम0सी0टी0सी0 आपरेटर, इवेन प्रतिनिधि द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक का कार्यवृत्त संलग्न है।

दिनांक– 24.06.2017

जिला पुरूष चिकित्सालय–पीलीभीत

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 रमेश चन्द्रा द्वारा अवगत कराया गया कि

- कुल 17 चिकित्साधिकारी कार्यरत है तथा 3 पुर्ननियोजन में नियुक्त हुये है (एक हड्डी रोग सर्जन तथा एक आंखों का सर्जन)
- ई0एम0ओ0 की कमी है।
- दवाईयों की सप्लाई में समस्या है।
- दवाईयों की खरीद से संबंधित साफटवेयर कार्य नहीं कर रहा है।
- सी0टी0 स्कैन हेतु संबंधित संस्था को स्थान आवंटित कर दिया गया है। 15 जुलाई तक स्थापना हो जायेगी।
- बर्न यूनिट तैयार हो गयी है।
- एन0आर0सी0 में कुल 10 बैड है जिसमें से 9 बैड पर मरीज थे।
- चिकित्सालय की चाहरदिवारी क्षतिग्रस्त है जिस हेतु 20 लाख रूपये की आवश्यकता है।
- सम्पर्क मार्ग अत्यन्त खराब है। जिलाधिकारी द्वारा उसको ठीक कराने का आश्वासन दिया गया है।
- ब्लड बैंक की स्थिति काफी अच्छी है। लैब टेक्निशियन श्री नयाब रसूल का कार्य संतोष जनक है।

जिला महिला चिकित्सालय–पीलीभीत

- मुख्य चिकित्सा अधीक्षका द्वार अवगत कराया गया कि कुल 8 चिकित्साधिकारी है तथा 1 संविदा चिकित्साधिकारी है। 2 डी0जी0ओ0 तथा 3 स्टाफ नर्स है। 5 संविदा स्टाफ नर्स है। 8 स्टाफ नर्स एस0एन0सी0यू0 में है।
- अल्ट्रा सोनोलॉजिस्ट नहीं है। आवश्यकता पड़ने पर पुरूष चिकित्सालय से बुला लिये जाते है।
- एस0एन0सी0यू0 में बाल रोग विशेषज्ञ तैनात नहीं है। ओ0पी0डी0 वाले बाल रोग विशेषज्ञ ही देखते है।
- महाप्रबंधक द्वारा आर0के0एस0 की पत्रावलियों के रख–रखाव की जानकारी दी गयी।
- साफ–सफाई की स्थिति संतोषजनक थी।
- प्रचार–प्रसार सामग्रीयों का अभाव था।
- मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका द्वारा आश्वासन दिया गया कि प्रचार–प्रसार सामग्री की व्यवस्था शीघ्र कर ली जायेगी।

नियमित टीकाकरण सत्र
उपकेन्द्र– गुलाब टांडा, ग्राम– खीरी नैबरामद
सी0एच0सी0 पूरनपुर

टीम द्वारा जिला प्रतिरक्षण अधिकारी के साथ उपकेन्द्र गुलाब टांडा के ग्राम– खीरी नैबरामद में नियमित टीकाकरण सत्र का निरीक्षण किया गया जिसमें ए0एन0एम0 सुधा देवी टीकाकरण कर रही थी। निरीक्षण में ये संज्ञान में आया कि उक्त सत्र माइको प्लान के अनुसार आयोजित नहीं किया जा रहा था। ए0एन0एम0 के पास हैपटाइटिस, डी0पी0टी0 की वैक्सीन उपलब्ध नहीं थी। टीम द्वारा क्षेत्र भ्रमण किया गया जिसमें आशा तथा लाभार्थियों से क्षेत्र में उपलब्ध करायी जा रही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी। (चेकलिस्ट संलग्न)

सी0एच0सी0 पूरनपुर

चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि दवाईयों की सप्लाई में समस्यायें है। बी0पी0एम0 का पूर्ण सहयोग मिलता है। मई 2017 में कुल ओ0पी0डी0 10052 थी। रोटा वायरस सभी वैक्सीन उपलब्ध है।

- साफ–सफाई स्थिति संतोषजनक थी।
- कोल्ड चेन की स्थिति संतोषजनक थी।
- नियमित टीकाकरण का माइको प्लान उपलब्ध था।
- नर्स मेन्टर तारा तिवारी द्वारा अवगत कराया गया कि सभी सुविधायें उपलब्ध है।
- एम0सी0पी0 कार्ड उपलब्ध थे।
- रनिंग वाटर की सप्लाई थी।
- ब्लड स्टोरेज यूनिट स्थापित नहीं है।
- पावर बैकअप की व्यवस्था है।
- ग्लूकोमीटर उपलब्ध नहीं है।
- सभी स्टाफ को विभिन्न कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्रशिक्षण दिलाया गया है।